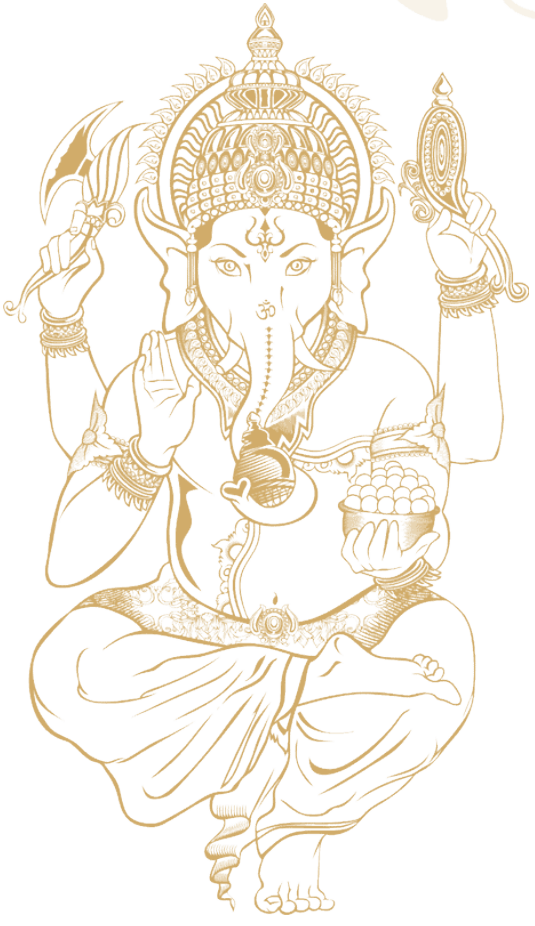

Mr.Anil

17 Jun 1971

02:02 AM

Hardoi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120513705

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
16-17/06/1971	जन्म तिथि	**16/06/2025**
बुध-गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:02:00	जन्म समय	22:18:14 घंटे
घटी 51:58:54	जन्म समय(घटी)	42:39:10 घटी
India	देश	India
Hardoi	स्थान	Hardoi
उत्तर 27:23:00	अक्षांश	27:23:00 उत्तर
पूर्व 80:06:00	रेखांश	80:06:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:09:36	स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:14:26	सूर्योदय	05:14:33
19:06:08	सूर्यास्त	19:06:05
23:27:41	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:48

मेष	लग्न	मकर
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मीन	राशि	कुम्भ
गुरु	राशि-स्वामी	शनि
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	धनिष्ठा
शनि	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	4
सौभाग्य	योग	विष्कुम्भ
तैतिल	करण	गर
झ-झूलेलाल	जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
गौ	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	मार्जार
54	गत/तत्कालिक वर्ष	55

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अश्विनी	3	07:25:36	मेष			लग्न			मक	22:12:11	4	श्रवण
मृगशिरा	3	01:34:28	मिथु			सूर्य			मिथु	01:34:28	3	मृगशिरा
उ०भाद्रपद	3	12:07:33	मीन			चंद्र			कुंभ	05:02:49	4	धनिष्ठा
धनिष्ठा	1	24:57:39	मक			मंगल			सिंह	05:25:09	2	मघा
मृगशिरा	1	25:58:46	वृष		अ	बुध			मिथु	20:23:08	1	पुनर्वसु
अनुराधा	1	05:12:56	वृश्चि	व		गुरु		अ	मिथु	07:20:19	1	आर्द्रा
रोहिणी	1	12:05:12	वृष			शुक्र			मेष	16:29:27	1	भरणी
कृतिका	3	06:19:08	वृष			शनि			मीन	07:08:18	2	उ०भाद्रपद
श्रवण	4	22:21:40	मक	व		राहु	व		कुंभ	28:04:11	3	पू०भाद्रपद
आश्लेषा	2	22:21:40	कर्क	व		केतु	व		सिंह	28:04:11	1	उ०फाल्गुनी
हस्त	2	15:58:14	कन्या	व		मु			तुला	07:25:36	1	स्वाति

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:48

लग्न-चलित

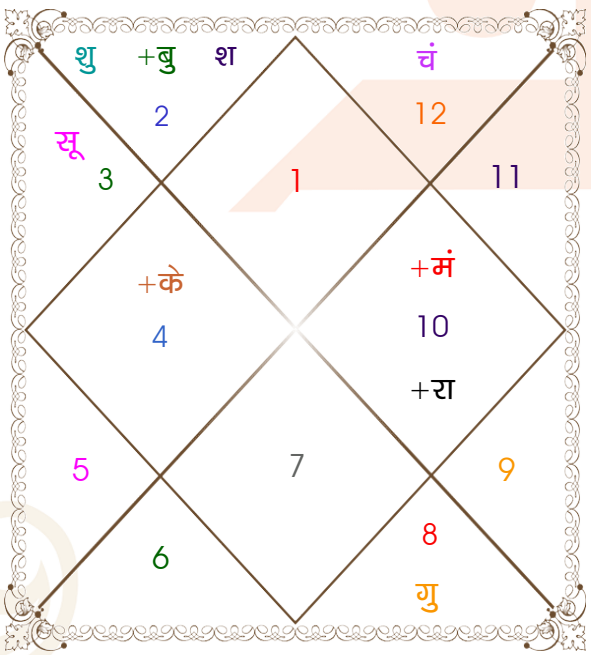

वर्ष लग्न कुंडली

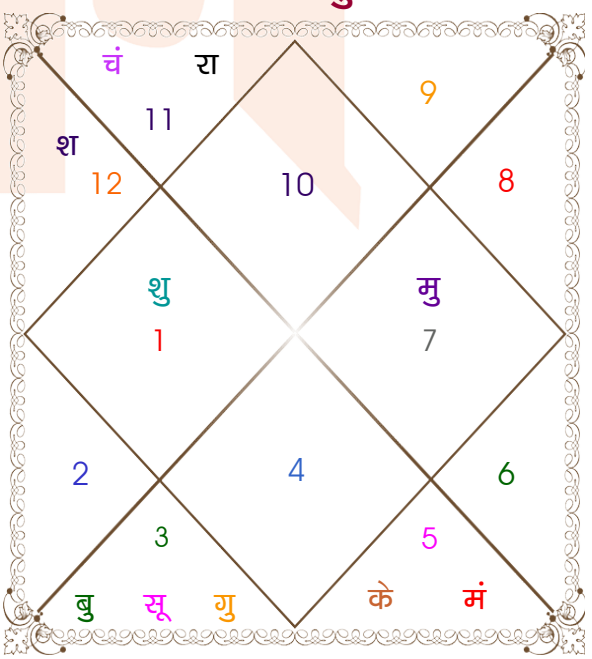

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - बुध - शुक्र	
24/11/2025 12:24	
15/01/2026 06:15	
शुक्र	03/12/2025 03:23
सूर्य	05/12/2025 17:28
चंद्र	10/12/2025 00:57
मंगल	13/12/2025 01:24
राहु	20/12/2025 19:40
गुरु	27/12/2025 17:15
शनि	04/01/2026 21:53
बुध	12/01/2026 05:49
केतु	15/01/2026 06:15

सूर्य - बुध - सूर्य	
15/01/2026 06:15	
30/01/2026 18:48	
सूर्य	16/01/2026 00:53
चंद्र	17/01/2026 07:55
मंगल	18/01/2026 05:39
राहु	20/01/2026 13:32
गुरु	22/01/2026 15:13
शनि	25/01/2026 02:12
बुध	27/01/2026 06:59
केतु	28/01/2026 04:43
शुक्र	30/01/2026 18:48

सूर्य - बुध - चंद्र	
30/01/2026 18:48	
25/02/2026 15:44	
चंद्र	01/02/2026 22:33
मंगल	03/02/2026 10:46
राहु	07/02/2026 07:54
गुरु	10/02/2026 18:42
शनि	14/02/2026 21:01
बुध	18/02/2026 12:59
केतु	20/02/2026 01:12
शुक्र	24/02/2026 08:41
सूर्य	25/02/2026 15:44

सूर्य - बुध - मंगल	
25/02/2026 15:44	
15/03/2026 18:23	
मंगल	26/02/2026 17:05
राहु	01/03/2026 10:17
गुरु	03/03/2026 20:14
शनि	06/03/2026 17:03
बुध	09/03/2026 06:38
केतु	10/03/2026 07:59
शुक्र	13/03/2026 08:25
सूर्य	14/03/2026 06:09
चंद्र	15/03/2026 18:23

सूर्य - बुध - राहु	
15/03/2026 18:23	
01/05/2026 08:03	
राहु	22/03/2026 18:02
गुरु	28/03/2026 23:03
शनि	05/04/2026 08:01
बुध	11/04/2026 22:21
केतु	14/04/2026 15:33
शुक्र	22/04/2026 09:49
सूर्य	24/04/2026 17:42
चंद्र	28/04/2026 14:51
मंगल	01/05/2026 08:03

सूर्य - बुध - गुरु	
01/05/2026 08:03	
11/06/2026 17:31	
गुरु	06/05/2026 20:30
शनि	13/05/2026 09:48
बुध	19/05/2026 06:33
केतु	21/05/2026 16:30
शुक्र	28/05/2026 14:05
सूर्य	30/05/2026 15:45
चंद्र	03/06/2026 02:33
मंगल	05/06/2026 12:30
राहु	11/06/2026 17:31

सूर्य - बुध - शनि	
11/06/2026 17:31	
30/07/2026 21:17	
शनि	19/06/2026 12:19
बुध	26/06/2026 11:27
केतु	29/06/2026 08:16
शुक्र	07/07/2026 12:54
सूर्य	09/07/2026 23:53
चंद्र	14/07/2026 02:12
मंगल	16/07/2026 23:01
राहु	24/07/2026 07:59
गुरु	30/07/2026 21:17

सूर्य - केतु - केतु	
30/07/2026 21:17	
07/08/2026 08:15	
केतु	31/07/2026 07:43
शुक्र	01/08/2026 13:33
सूर्य	01/08/2026 22:30
चंद्र	02/08/2026 13:25
मंगल	02/08/2026 23:51
राहु	04/08/2026 02:42
गुरु	05/08/2026 02:34
शनि	06/08/2026 06:54
बुध	07/08/2026 08:15

सूर्य - केतु - शुक्र	
07/08/2026 08:15	
28/08/2026 15:36	
शुक्र	10/08/2026 21:29
सूर्य	11/08/2026 23:03
चंद्र	13/08/2026 17:39
मंगल	14/08/2026 23:29
राहु	18/08/2026 04:11
गुरु	21/08/2026 00:22
शनि	24/08/2026 09:20
बुध	27/08/2026 09:46
केतु	28/08/2026 15:36

सूर्य - केतु - सूर्य	
28/08/2026 15:36	
04/09/2026 01:00	
सूर्य	28/08/2026 23:16
चंद्र	29/08/2026 12:03
मंगल	29/08/2026 21:00
राहु	30/08/2026 20:01
गुरु	31/08/2026 16:28
शनि	01/09/2026 16:46
बुध	02/09/2026 14:29
केतु	02/09/2026 23:26
शुक्र	04/09/2026 01:00

सूर्य - केतु - चंद्र	
04/09/2026 01:00	
14/09/2026 16:41	
चंद्र	04/09/2026 22:19
मंगल	05/09/2026 13:14
राहु	07/09/2026 03:35
गुरु	08/09/2026 13:40
शनि	10/09/2026 06:09
बुध	11/09/2026 18:22
केतु	12/09/2026 09:17
शुक्र	14/09/2026 03:54
सूर्य	14/09/2026 16:41

सूर्य - केतु - मंगल	
14/09/2026 16:41	
22/09/2026 03:39	
मंगल	15/09/2026 03:07
राहु	16/09/2026 05:58
गुरु	17/09/2026 05:50
शनि	18/09/2026 10:10
बुध	19/09/2026 11:31
केतु	19/09/2026 21:58
शुक्र	21/09/2026 03:48
सूर्य	21/09/2026 12:44
चंद्र	22/09/2026 03:39

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।